First Year Examination of the Three -Year
Degree Course, 2001
(Faculty of Humanities)
HINDI SAHITYA
(हिन्दी साहित्य)
Paper-II
द्वितीय प्रश्न पत्र: गद्य
(गद्य, कहानी, एकाकी और संस्मरण रेखाचित्र)

Time : 3 Hours
[Maximum Marks :100]

1. निम्नांकित गद्यांशों की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए:

(क) पंडित जी ने रस्सी पकड़कर लाश को घसीटना शुरू किया और गाँव के बाहर ले गये। वहाँ से आकर तुरन्त स्नान किया, दुर्गापाठ पढ़ा और घर में गंगाजल छिड़का। उधर दुखी की लाश को खेत में गीदड़ और गिद्ध, कुत्ते और कौए नोंच रहे थे। यही जीवन-पर्यन्त की भक्ति, सेवा और निष्ठा का पुरस्कार था। **2+8**

अथवा

मुझे दण्ड देने के लिए ही तो यह स्वांग रचा था। राधा तो उसी दिन से निर्वासित थी और कल से मुझे भी अपने घर में प्रवेश करने की आज्ञा नहीं। कपिंजल! आज तो हम और तुम दोनों बराबर है और इतने अधमरों के प्राणों का दायित्व भी हम लोगों पर है। यह व्रतभंग नहीं, व्रत का आरंभ है। चलो उस दरिद्र कुटुम्ब के लिए अन्न जुटाना होगा।

(ख) हमारे जवान अपनी बाजुओं में ऐसी ताकत रखते हैं कि दुश्मनों के दाँत खट्टे कर देंगे-और हमारे जवान ही सैनिक नहीं है,वे लोग भी सैनिक, है जो अपने-अपने क्षेत्रों में ईमानदारी से काम करते है। (सोचता हुआ) ईमानदारी से काम ? मै सेठ की बही- सेठ की बही-ईमानदारी से लिखता हूँ ? **2+8**

अथवा

तलवार में शौर्य नहीं होता। तभी तो में जीते-जी उसका सिर नहीं झुका सका। अब उसका सिर काटकर उससे बदला लेना चाहता हूँ। सिर काटकर उसके सिर को ठुकराकर .....गीदड़ भी निर्जीव सिर को ठुकराता है। मै गीदड़ हूँ। हाँ, मै गीदड़ हूँ। हाँ, मै गीदड़ हूँ। मै एक बन्दी का सिर नहीं झुका सकता।

(ग) पशु जगत में हिरन जैसा निरीह और सुन्दर दूसरा पशु नहीं है-उसकी आँखें तो मानो करूणा की चित्रलिपि है। परन्तु इसका भी गतिमय, सजीव सौंदर्य मनुष्य का मनोरंजन करने में असमर्थ है। मानव को, जो जीवन का श्रेष्ठतम रूप है, जीवन के अन्य रूपों के प्रति इतनी वितृष्णा और विरक्ति और मृत्यु के प्रति मोह और आकर्षण क्यों? **2+8**

अथवा

पर मुझे आज भी वह छोटा, मैगनोलिया के फुल-सा कोमल श्वेत शशक-शावक स्मरण हो आता है जिसके जीवन के आरंभ में ही उस पर दुर्योग से मार्जारी की निष्ठुर छाया माँ आ पडी थी । यदि वह अप्य ५ावक के समान खेलता-खाता की स्नेह-छाया में बड़ा होता तो पता नहीं कैसा होता!

2. 'ब्रह्मराक्षस का शिष्य' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट करते हुए कहानी का उद्देश्य बताइये। **15**

अथवा

'रोज' कहानी के कथ्य की समीक्षा कीजिए।

3. 'कैलेण्डर का आखिरी पन्ना' एकांकी राष्ट्रप्रेम राटि्ट्रय एकता तथा बलिदान का संदेश देता है। इस कथन को सिद्ध कीजिए। **15**

अथवा

'पतित' एकांकी के आधार पर केन्द्रीय पात्र राजेन की चारित्रिक विशेषताएं बताइये।

4. 'गिल्लू' संस्मरण के आधार पर गिल्लू गिलहरी की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **15**

अथवा

'गौरा गाय' संस्मरण एक मार्मिक संस्मरण है। इस कथन को उदाहरणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

5. हिन्दी कहानी के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए। **15**

अथवा

कहानी के विकास में नयी कहानी की भूमिका की समीक्षा कीजिए।

6. एकांकी-कला के तत्त्वों की विवेचना कीजिए। **10**

अथवा

एकांकी और नाटक के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com